।। ओ३म्।।

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

तवेद्धि सख्यमस्तृतम्। ऋग्वेद 1/15/5

हे प्रभो! आपकी मित्रता अटूट और अमृत है।

O Lord ! your friendship is ever lasting and divine.

वर्ष 36, अंक 36 एक प्रति : 5 रुपये

सोमवार 29 जुलाई, 2013 से रविवार 4 अगस्त, 2013 तक

विक्रमी सम्वत् 2070 सृष्टि सम्वत् 1960853114

दयानन्दाब्द : 189 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8

फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com

इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में

आर्यसमाज सेवा समिति द्वारा उत्तराखण्ड त्रासदी पीड़ितों हेतु राहत कार्य जारी

राहत सामग्री का वितरण

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में उत्तराखण्ड के त्रासदी प्रभावित गांवों में राहत एवं सहायता सामग्री पहुंचाने के लिए आर्यसमाज द्वारा एकत्रित की गई राहत सामग्री की तीसरी खेप रविवार 21 जुलाई, 2013 दिल्ली से हरिद्वार तथा हरिद्वार से गुप्तकाशी में पीड़ित परिवारों तक पहुंचाने के लिए भेजी गई।

पूर्व में आर्यसमाज सेवा समिति के कार्यकर्त्ताओं ने उत्तराखण्ड में आई भयंकर बाढ़ एवं भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में घर–घर जाकर सर्वेक्षण किया था। इस सर्वेक्षण के आधार पर पीड़ित परिवारों की जो सूची तैयार की थी, उन्हें राशनिंग प्रणाली के आधार पर कार्यकर्त्ताओं ने घर–घर जाकर पीड़ित परिवार की आवश्यकतानुसार राहत सामग्री वितरण के लिए पर्चियां बांटी गई, तथा आर्यसमाज द्वारा स्थापित राहत शिविर में आकर सामग्री प्राप्त करने के लिए आमन्त्रित किया गया।

गत दिनों उत्तराखण्ड में सम्पन्न हुई बैठक में सेवा समिति के सदस्यों ने बिजली की समस्या की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा था कि इस प्राकृतिक आपदा ने आज के समय में सर्वाधिक आवश्यक बिजली व्यवस्था को चौपट कर दिया है।

– शेष पृष्ठ 4 पर

पूर्व में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जरुरतमंद परिवारों को सहायता पर्ची पहुंचाते आर्यसमाज सेवा समिति के कार्यकर्त्ता सर्वश्री रणधीर आर्य, विजेन्द्र आर्य एवं अन्य

श्रावणी पर्व उत्साहपूर्वक आयोजित करें: युवाओं को करें विशेष आकर्षित

वैदिक धर्म में स्वाध्याय को प्रत्येक वर्ण और आश्रम के लिए अनिवार्य और आवश्यक रूप से प्रधान बताया गया है। ब्राह्मण वर्ग और ब्रह्मचर्य आश्रम की कल्पना ही स्वाध्याय के साथ जुड़ी है अर्थात् विद्यार्थियों का स्वाध्याय से विमुख रहना समाज के लिए किसी दृष्टि से भी हितकर नहीं हो सकता।

1. *यज्ञ के अवसर पर युवा जोड़ों को यजमान अवश्य बनाएं तथा उन्हें आर्यसमाज का सरल साहित्य भेंट करें।*
2. *वेद कथा के अवसर पर आर्यवीर सम्मेलन व युवा सम्मेलन का आयोजन अवश्य करें।*
3. *युवाओं के लिए प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम अवश्य आयोजित करें जिससे युवा वर्ग अपनी शंकाओं का समाधान विद्वानों से करा सकें।*
4. *मंच संचालन के कार्य युवाओं को सौंपे जिससे उन्हें कार्यक्रमों में आने तथा आयोजित करने के लिए उत्साह एवं बल मिल सके।*

क्षत्रिय वर्ग अर्थात् देश की रक्षा करने वाले पुलिस और सैन्य बल तथा शासन चलाने वाले उच्चाधिकारी लोग भी यदि स्वाध्यायशील रहें तो देश की आन्तरिक और बाहरी सुरक्षा तथा अनुशासन स्थापित करने में अवश्य ही सहायता मिलेगी। वैश्य वर्ग यदि स्वाध्यायशील रहता है तो देश

– शेष पृष्ठ 7 पर

दिल्ली की आर्यसमाजों द्वारा गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों का अभिनन्दन

महाशय धर्मपाल जी (अध्यक्ष, आर्य विद्या सभा) **डॉ. रामप्रकाश जी** (कुलाधिपति) **डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी** (कुलपति)

स्थान : आर्यसमाज पंजाबी बाग पश्चिमी नई दिल्ली दिनांक : 15 अगस्त, 2013 सायं 4 बजे

समस्त आर्यसमाजों, शिक्षण संस्थाओं के अधिकारी एवं सदस्यगण अधिकाधिक संख्या में पधारकर नव नियुक्त पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दें। कृपया कार्यक्रम के उपरान्त प्रीतिभोज अवश्य ग्रहण करें।

निवेदक

ब्र. राजसिंह आर्य, प्रधान; धर्मपाल आर्य, व. उप प्रधान; विनय आर्य, महामन्त्री — दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

सत्यानन्द आर्य, प्रधान; अशोक मेहतानी, मन्त्री — आ. स. पंजाबी बाग (प.)

राजीव आर्य, महामन्त्री; सुरेन्द्र कुमार रैली, व. उप प्रधान — आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली

वेद-स्वाध्याय

गोभिष्टरेम अमतिम्

- स्वामी देवव्रत सरस्वती

गोभिष्टरेमामतिं दुरेवां यवेन क्षुधं पुरुहूत विश्वाम्। वयँ राजभिः प्रथमा धनान्यस्माकेन वृजनेना यजेम।। ऋ.10/42/10

अर्थ—हे **(पुरुहूत)** बहुतों के द्वारा पुकारने योग्य राजन्! **(वयम्)** हम लोग **(गोभिः)** वेदज्ञान से **(दुरेवाम् अमतिम्)** दुःखदायी अज्ञान को और **(यवेन)** यव, जौ आदि अन्नों से **(विश्वाम् क्षुधम् तरेम)** समस्त भूख को निवृत्त करें। **(वयम्)** हम **(राजभिः)** तेजस्वी पुरुषों एवं राजा के सहयोग से **(प्रथमानि धनानि)** श्रेष्ठ धनों को **(अस्माकेन वृजनेन)** अपने बल से **(जयेम)** प्राप्त करें।

मन्त्र में राजा से प्रजा तीन बातों का आश्वासन चाहती है यह कहा है—

१. शिक्षा, २. भुखमरी मिटाने के लिए अन्न या ३. काम करना। इन पर क्रमशः विचार किया जायेगा क्योंकि यह राष्ट्र की प्रजा की राजा से अपनी मांग जो है।

१. शिक्षा—अविद्या या अशिक्षा सबसे अधिक कष्ट देनेवाली है। जिस व्यक्ति को काला अक्षर भैंस बराबर है उससे आप राष्ट्र की उन्नति में योगदान की अधिक अपेक्षा नहीं कर सकते। बिना विद्या के मनुष्य पशु के समान ही है।

शिक्षा और विद्या दोनों अलग-अलग हैं। चरित्र, सदाचार, संयम, राष्ट्रभक्ति ये सब शिक्षा के अन्तर्गत आते हैं जिनका उपदेश माता-पिता और गुरुजनों को बच्चों को बाल्यकाल से ही देना चाहिये।

विद्या में अपरा अर्थात् जिससे आजीविका अर्जित की जा सके और परा-आध्यात्मिक ज्ञान दोनों का समावेश है। मन्त्र कहता है—**गोभिः तरेम अमतिम् दुरेवाम्**—वेद की शिक्षा, विद्या से कष्टदायक अज्ञान को दूर करें। यद्यपि वेद सब सत्यविद्याओं का पुस्तक है परन्तु उसका प्रधान विषय नैतिक शिक्षा, संयम-सदाचार द्वारा आत्मा-परमात्मा को जानना है। इसलिये बाल्यकाल से ही बच्चों को वेदों के मन्त्र, सूक्तियाँ और अच्छे वचन स्मरण करा देने से उनका प्रभाव सारी आयु भर रहता है। जहाँ तक आजीविका का प्रश्न है वहाँ आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का क्रियात्मक प्रशिक्षण विद्यार्थियों को दिया जाना चाहिये जिससे वे आगे जाकर भूखों न मरने पायें। अनिवार्य शिक्षा के लिये राजनियम और जाति नियम होना चाहिये कि कोई भी व्यक्ति अपने बच्चों को शिक्षा से वञ्चित न रखे। सबको पढ़ने विद्यालयों में भेजें।

२. भुखमरी मिटाने के लिए अन्न—प्रजा राजा से कहती है **(यवेनक्षुधं पुरुहूत विश्वाम्)** हे बहुतों के द्वारा पुकारने योग्य राजन्! आप ऐसी व्यवस्था राज्य में कीजिये कि सायंकाल कोई भी खाली पेट पर पट्टी बांध कर न सोने पाये। सबको खाने-पीने के सामान प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होवें। **विश्वाम्** का अभिप्राय यह भी है कि सभी खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सतत होती रहे। किसी वस्तु का अभाव न हो। अन्न प्राणियों का प्राण है। इसके बिना जीवन नहीं चल सकता अतः राजा का यह कर्त्तव्य बनता है कि वह राज्य में अधिक अन्न उत्पन्न करने की योजना बनाये। सिंचाई के साधन बांध तालाब, नहर, कुआँ, नल-कूप आदि लगवाये और उन्नत श्रेणी के बीज बदल कर फसल चक्र तथा कीड़ों एवं टिड्डियों के प्रकोप से फसलों को विनष्ट होने से बचाने की व्यवस्था करे। अन्न को सुरक्षित भण्डारों में आपात्काल के लिये रखे। अन्न-उत्पादन के अतिरिक्त पशुपालन को भी प्राथमिकता दे। **गोभिः अमतिं तरेम** का यह भी अभिप्राय है कि हम गाय का घृत, दुग्ध सेवन कर **अमतिम्** अर्थात् मन्दबुद्धि का निवारण करें। गाय का घी-दूध बुद्धिवर्धक है, इसे सब जानते हैं। गाय का गोबर और मूत्र अनेक रोगों का निवारण करता है और खेती के लिये सर्वोत्तम खाद भी है।

फलों की भी अन्न में ही गणना होती है। राजा किसानों को फलदार वृक्ष लगाने के लिये उन्हें प्रोत्साहित करे और इस कार्य में होने वाले व्यय के लिये उन्हें अनुदान दे जिससे प्रजा के लोग प्रोत्साहित हों अपने खेत एवं अन्य स्थानों में फलों के वृक्ष लगाने में प्रवृत्त होवें। जहाँ इनसे सब ऋतुओं में फल खाने को मिलेंगे वहाँ पर्यावरण का भी सन्तुलन बना रहेगा।

३. प्रजा कहती है—**वयम् राजभिः प्रथमा धनानि अस्माकेन वृजनेन जयेम** हे राजन् आप रोजगार देने का प्रस्ताव पारित कीजिये और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये योजना बनाइये। हम आपसे अनुदान या छूट नहीं चाहते अपितु अपने पुरुषार्थ से धनार्जन करें यह चाहते हैं।

इसके लिये द्वादश कक्षाओं से आगे पढ़ने के स्थान पर बच्चों को तकनीकी शिक्षा, हस्त शिल्प, गृह उद्योग आदि का प्रशिक्षण दिया जाये और बड़े उद्योग लगाने की अपेक्षा लघु उद्योगों को प्राथमिकता दी जाये इससे अधिकांश लोगों को काम मिलेगा और फिर महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या भी कम हो जायेगी और सुयोग्य एवं बुद्धिमान् विद्यार्थी ही उच्च शिक्षा बिना किसी बाधा के ग्रहण कर सकेंगे।

राज्य में किसी वर्ग विशेष को छूट या अनुदान देने के स्थान पर सबको समान शिक्षा एवं कलाकौशल का प्रशिक्षण लेने की सुविधा दी जाये। इससे वर्ग-संघर्ष समाप्त हो जायेगा और न कोई अगड़ा-पिछड़ा ही रहेगा।

बिना राजकीय सुरक्षा, सहायता और प्रोत्साहन के लघु कुटीर उद्योग आगे नहीं बढ़ सकते क्योंकि बड़े उद्योगों में जहाँ विशाल स्तर पर मशीनों द्वारा माल का उत्पादन होता हो वह सुन्दर और सस्ता भी होगा। साथ ही उद्योगपति लघु उद्योगों को हतोत्साहित करने के लिये अपने माल को सस्ता करके भी बेचने का प्रयत्न करेंगे। इसके लिये राज्य की ओर से कानून बनना चाहिये कि कौन-सी वस्तु का उत्पादन लघु कुटीर उद्योग करें और कौन-सा माल कल-कारखानों वाले। जहाँ तक हो सके लोगों को स्वावलम्बी बनाने का प्रयत्न राजा को करना चाहिये। इससे राष्ट्र का स्वाभिमान बना रहेगा। जो राष्ट्र दूसरे देशों द्वारा दिये गये ऋण से अपनी प्रजा का पेट भरता है, उसे देर-सवेर उस देश की दासता में बंधना ही होगा। - *क्रमशः*

ओ३म्

सत्यार्थ प्रकाश

प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु. प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु. प्रचारार्थ 60 रु.	
स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.	प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph.:011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
अलंकार (समकक्ष बी.ए.)/बी.ए./एम.ए.पाठ्यक्रमों हेतु
प्रवेश सूचना 2013–2014

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते हैं:–
(I) मुख्य परिसर (केवल पुरुष अभ्यर्थियों के लिए)
1. वेदालंकार (समकक्ष बी.ए.) 2. विद्यालंकार (समकक्ष बी.ए.) 3.बी.ए.
4. एम.ए. : वैदिक साहित्य, संस्कृत, दर्शन, प्रा.भा. इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, मनोविज्ञान, मानव चेतना एवं योग विज्ञान, धर्मशास्त्र वैदिक कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष।
(II) कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार (केवल महिला अभ्यर्थियों के लिए)
1. एम.ए. : संस्कृत, प्रा.भा. इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व, दर्शन, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, मनोविज्ञान।
नोट– वेदालंकार (समकक्ष बी.ए.) एवं एम.ए. वैदिक साहित्य में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों से कोई शिक्षण शुल्क नहीं लिया जाता है तथा योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
आवेदन प्रक्रिया :– उपरोक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विवरण पत्रिका एवं आवेदन पत्र रु0 300/– के नकद भुगतान पर अथवा डाक से रु0 350/– का डिमाण्ड ड्राफ्ट जो कि कुलसचिव, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पक्ष में हरिद्वार में देय हो, कुलसचिव कार्यालय को भेजकर प्राप्त किये जा सकते हैं। अभ्यर्थी वेबसाइट से भी आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसके साथ रु0 300/–का डिमाण्ड ड्राफ्ट संलग्न कर भेज सकते हैं।
शैक्षिक अर्हता, आवेदन प्रक्रिया तथा अन्य जानकारियाँ (विवरण पत्रिका एवं आवेदन पत्र सहित) विश्वविद्यालय वेबसाइट www.gkv.ac.in पर उपलब्ध हैं।
आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि :–
•16 अगस्त, 2013 (31 अगस्त, 2013 विलम्ब शुल्क रु0 50/– सहित)
शीघ्र प्रवेश हेतु सम्पर्क करें:–
•वेद विभाग(9410192541)• संस्कृत विभाग(9412307123)• दर्शन विभाग(9897273683)
•मानविकी संकाय (9837158021, 9412074666)
कन्या गुरुकुल परिसर, हरिद्वार (01334–213522, 9411100359)
कुलसचिव

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून
प्रवेश सूचना (2013–2014)

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून (द्वितीय परिसर) में निम्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु केवल महिला अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते हैं :-
1. एम0ए0 (द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम)
विषय : संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व
प्रवेश योग्यता : स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा।
3. बी0ए0 (त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम)
प्रवेश योग्यता : इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा।
प्रवेश हेतु फोन नं0 0135–2789687 पर शीघ्र सम्पर्क करें।
कुलसचिव

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्गत आर्य विद्या सभा दिल्ली के तत्त्वावधान में

वार्षिक खेल-कूद एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

नाम प्रतियोगिता	दिन/दिनांक/समय	स्थान	विवरण/विषय/वर्ग	सम्पर्क
नारा लेखन (स्लोगन) प्रतियोगिता	मंगलवार 6 अगस्त प्रात: 9 बजे	**रतनचन्द आर्य प. स्कूल,** आर्यसमाज सरोजनी नगर वाई ब्लाक, न.दि.-23	वर्ग -1 (कक्षा 4 से कक्षा 5) विषय : जल अथवा स्वच्छता वर्ग - 2 (कक्षा 6 से कक्षा 8) विषय : गौ रक्षा अथवा पर्यावरण वर्ग - 3 (कक्षा 9 से 10) विषय : राष्ट्रीय एकता विषय : 4 (कक्षा 11 से 12) विषय : नारी सुरक्षा व शिक्षा	अध्यक्ष : पुरुषोत्तम लाल गुप्त (9811599004) प्रबन्धक : मनोहर लाल गुप्त (9868989618) प्रधानाचार्या : नमिता पालित (9868192510)
आशुभाषण प्रतियोगिता	शुक्रवार 30 अगस्त प्रात: 9 बजे	**दयानन्द मॉडल स्कूल,** विवेक विहार, दिल्ली दिल्ली-110091	वर्ग -1 (कक्षा 6 से कक्षा 8) वर्ग - 2 (कक्षा 9 से कक्षा 10) वर्ग - 3 (कक्षा 11 से 12) प्रत्येक प्रतिभागी को 3 मिनट का समय दिया जाएगा।	अध्यक्ष : बिशम्भरनाथ भाटिया (9818283777) प्रबन्धक : प्रवीन भाटिया (9810336633) श्रीमती सीमा भाटिया (9810558999)
समूहगान प्रतियोगिता	सोमवार 2 सितम्बर प्रात: 9 बजे	**महर्षि दयानन्द प. स्कूल,** आर्यसमाज न्यू मोती नगर नई दिल्ली-110015	वर्ग -1 बाल वर्ग (कक्षा 5 तक) वर्ग -2 कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 से 8) वर्ग - 2 वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12) विषय : महर्षि दयानन्द सरस्वती को समर्पित गीत नियम : 1. एक टीम में अधिकतक 10 विद्यार्थी ही भाग ले सकते हैं। 2. विद्युत वाद्य यंत्र का निषेध है। 3. वाद्य यंत्र प्रतियोगी स्वयं बजाएंगे।	प्रबन्धक : सुरेश टंडन (9811982493) प्रधानाचार्या : इन्दिरा छाबड़ा (9868992733)
भाषण प्रतियोगिता	मंगलवार 17 सितम्बर प्रात: 9 बजे	**आर्य वीर मॉडल स्कूल** बादली, दिल्ली-110042	वर्ग -1 बाल वर्ग (कक्षा 1 से 5 तक) विषय : आदर्श विद्यार्थी वर्ग -2 कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 से 8) विषय : महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की राष्ट्र को देन वर्ग - 3 वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12 तक) विषय : जीवन में संस्कारों का महत्त्व	प्रबन्धक: महेन्द्रपाल मनचन्दा प्रधानाचार्या : उर्मिला मनचन्दा (011-64543030)
एकांकी प्रतियोगिता	गुरुवार 26 सितम्बर प्रात: 9 बजे से	**आर्य मॉडल स्कूल,** आर्यसमाज आदर्श नगर दिल्ली-110033 **नोट :** एक विद्यालय से एक ही प्रतिभागी भाग लेगा। भाषण 3 मिनट का होगा।	विषय : आर्य महापुरुषों के जीवन के प्रेरक प्रसंग पर आधारित नियम : 1. एक विद्यालय से एक टीम भाग लेगी। 2. वेशभूषा प्रसंग के अनुरुप होना आवश्यक है। 3. प्रतियोगियों की संख्या अधिकतम 15 तक हो। 4. वाद्ययंत्रों का प्रयोग किया जा सकता है	अध्यक्ष : ओम प्रकाश चुघ (9811679226) प्रबन्धक : प्रकाशवीर बत्रा (9818280184) प्रधानाचार्या : प्रोमिला सिंह (8860494523)
खेल-कूद प्रतियोगिताएं	सोमवार 29 सितम्बर से शनिवार 5 अक्तूबर	**एस. एम. आर्य प. स्कूल** पश्चिमी पंजाबी बाग नई दिल्ली-110026	विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं की सूचना अलग से भेजी जाएगी व प्रकाशित होगी। प्रबन्धक : अरविन्द नागपाल (9212130210)	अध्यक्ष : सत्यानन्द आर्य (9313923155) प्रधानाचार्या : अंजलि कोहली (9212700374)

दिल्ली के समस्त शिक्षण संस्थानों, गुरुकुलों एवं विद्यालय के अधिकारियों से निवेदन है कि अपने यहां से अधिकाधिक विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

-: निवेदक :-

ब्र. राजसिंह आर्य	धर्मपाल आर्य	विनय आर्य	अनिल तनेजा	सुरेन्द्र कुमार रैली
प्रधान	व. उप प्रधान	महामन्त्री	कोषाध्यक्ष	प्रस्तोता

अपने आयोजनों को वैबसाइट पर प्रसारित करें

आर्यसमाज की शिरोमणि संस्था 'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' के तत्त्वावधान में बन रहे आर्यसमाज के आधिकारिक वैब पोर्टल **www.thearyasamaj.org** पर आर्यसमाजें/आर्यसंस्थाएं अपने आगामी आयोजनों के पैम्पलेट, सम्पन्न हो चुके कार्यक्रमों की रिपोर्ट एवं फोटो, अपनी पत्रिका, निर्वाचन समाचार, गुरुकुलों/विद्यालयों की प्रवेश सूचना अपलोड कर सकते हैं। सूचनाएं अपलोड करने के लिए लॉगऑन करें - **www.thearyasamaj.org/quickupload** किसी प्रकार की समस्या होने पर **श्री अश्विनी आर्य मो. 9868586720** पर सम्पर्क करें। *- विनय आर्य, महामन्त्री*

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (पं.) की

अत्यावश्यक अन्तरंग सभा बैठक

11 अगस्त, 2013 सायं 3:00 बजे

आर्यसमाज हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

समस्त अधिकारी एवं सदस्यगण अवश्य ही पधारकर सभा संचालन में अपना सहयोग प्रदान करें

- विनय आर्य, महामन्त्री, 9958174441

गुड़गांव में हुआ गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति का सार्वजनिक अभिनन्दन

मैं आज जो कुछ भी हूं वह सब महर्षि दयानन्द और आर्यसमाज की कृपा का फल है – डॉ. सुरेन्द्र कुमार

गुरुकुल कांगड़ी की गरिमा में वृद्धि करना बड़ी चुनौती – विनय आर्य

आर्य केन्द्रीय सभा गुड़गांव द्वारा आयोजित डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी के गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलपति नियुक्त होने पर अभिनन्दन समारोह में आर्य विद्या मन्दिर सी. सै. स्कूल सै. –7 गुड़गांव के बहु उपयोगी हॉल में मुख्य केन्द्र बिन्दु डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी ने कहा कि मन की शक्ति सचमुच अजेय है। आदि काल से आज तक सभी मनीषियों ने मन की इस उदात शक्ति का गुणगान किया है। मैं इस बात से अच्छी तरह परिचित हो चुका हूं कि गुरुकुल कांगड़ी का जो कार्यभार सौंपा गया है वह फूलों की सेज नहीं है और यह मार्ग चुनौतियों से भरा हुआ है। परन्तु मैं अपने जीवन में चुनौतियों से दूर कभी नहीं भागा। मेरे गुरु महर्षि दयानन्द सरस्वती ने सदैव चुनौतियों को साहस के साथ सामना किया चाहे इस कार्य के लिए उन्हें कितनी बार विष पान करना पड़ा। परन्तु वह नर पुंगव हर चुनौती के पश्चात् विजयी हुआ। चाहे उन कार्यों के परिणामस्वरूप अपने जीवन की आहुति ही क्यों न देनी पड़ी हो। मैं अपने गुरु के आदर्शों को सम्मुख रखते हुए आर्य केन्द्रीय सभा गुड़गांव एवं सभी जनमानस को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि मैं अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी एवं

– शेष पृष्ठ 6 पर

(बाएं) डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी को आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा की ओर से प्रशस्त्रि पत्र देते सार्वदेशिक सभा के प्रधान आचार्य बलदेव जी एवं अन्य अधिकारी (दाएं) आर्य केन्द्रीय सभा गुड़गांव की ओर से स्मृति चिह्न देते श्री कन्हैयालाल आर्य जी एवं अन्य आर्यजन। (मध्य) अभिनन्दन समारोह में उपस्थित गणमान्य आर्यजन

प्रथम पृष्ठ का शेष

सोलर लालटेन ......

इसे दुरुस्त करने में प्रशासन को सालों का समय लगेगा। उन्होंने इस सम्बन्ध में तत्काल सहायता हेतु सोलर लालटेन देने की संस्तुति करते हुए कहा कि दिन तो निकल जाता है किन्तु रात बिना बिजली के गुजारना मुश्किल है। इससे रोशनी के साथ–साथ मोबाइल चार्ज भी किया जा सकता है, जोकि वहां सम्पर्क साधने के लिए अत्यावश्यक है।

बैठक में समिति के सुझावों को स्वीकार किया गया था, उसी के आधार पर इस बार लगभग 300 परिवारों में सोलर लालटेन का वितरण किया गया।

"शत हस्त समाहर सहस्त्र हस्त सं किर"
"सौ हाथों से कमाओ हजार हाथों से दान करो"

पीड़ितों की सेवा ही हम सबका राष्ट्रीय एवं धार्मिक कर्त्तव्य

आर्यजन दिल खोलकर दान दें

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर उत्तराखण्ड बाढ़ पीड़ितों सहायतार्थ दान की अपील पर प्राप्त दान की सूची

गतांक से आगे –

206 आर्यमाज मॉडल टाउन	55000
आर्यसमाज रोहिणी सै. 7 द्वारा एकत्र राशि	
207 सर्वश्री वेद प्रकाश अग्रवाल	1100
208 अर्जुन वर्मा	1100
209 श्रीमती शकुन्तला वर्मा	1000
210 वीरेन्द्र कुमार	500
211 श्रीमती विजया कुमारी	150
212 श्रीमती ओमवती	100
213 श्रीमती कौशल्या देवी	100
214 श्रीमती नर्मदा देवी	100
आर्यसमाज किरण गार्डन द्वारा एकत्र राशि	
215 डॉ. वीना कालरा	2100
216 डॉ. कुश मिगलानी	1001
217 श्रीमती अनिता मिगलानी	1001
218 रामप्रकाश शर्मा	250
219 श्रीमती नीरजा भास्कर	1100
220 महेन्द्र मिगलानी	1100
221 श्रीमती कृष्णा मिगलानी	1500
222 श्रीमती वीना त्यागी	1100
223 तेजवीर सिंह	1100
224 पूरनमल	1000
225 मा. तारीफ सिंह	1100
226 श्रीमती सुमन शर्मा	200
227 जगन्नाथ प्रसाद	1100
228 श्रीमती सुदेश कुमारी	1100
229 श्रीमती सरीता रानी	1100
230 श्रीमती कविता रानी, केशवपुरम्	**1000**
231 मनोज कुमार	2500
232 प्रेम शंकर	2550
233 एस. के. मुखर्जी	500
234 प्रकाश मोदी	10000
पौराणिक पोल प्रकाश पेज द्वारा एकत्र राशि	
235 नितिन खन्ना, न. दि.	1000
236 आर्यसमाज राजनगर गा.बाद	11500
237 महेश मदान, नोएडा	50000
238 रमेश मदान, करनाल	**5100**
239 आर्यसमाज सै. 6 आर.के.पुरम्	2001
240 आर्यसमाज ईस्ट आफ कैलाश	11000
241 आर्यसमाज बैंक एन्कलेव	10000
242 आ.स. रोहतास नगर शाहदरा	11000
243 विशाल शर्मा	9500
स्त्री आर्यसमाज गोविन्दपुरी दिल्ली द्वारा एकत्र	
244 महिला मंडल, पो 4 कालकाजी	5000
245 श्रीमती सुनिता विनयक	500
246 श्रीमती ईश्वर रानी मेहता	2100
247 अमित आहूजा (सोनीपत)	2000
248 गुप्तदान	500
249 रामलाल आर्य	500
250 श्रीमती शकुन्तला कथूरिया	1500
251 श्रीमती सरोज मदान	250
252 श्रीमती सविता खुराना	250
253 श्रीमती कमलेश साहनी	250
254 स्त्री आर्यसमाज गोविन्दपुरी	5000
255 संजय मेहता (रोहिणी)	1000
256 शिवप्रसाद चतुर्वेदी	**1100**
257 बलदेव राज महाजन	4000
258 ईश्वर दयाल माथुर	1100
आर्यसमाज यमुना विहार द्वारा एकत्र सामग्री	
259 वेद प्रकाश रोहेल्ला	100 kg चावल
260 ओमवीर सिंह	25 kg चावल, 10 kg आटा
261 श्रीमती वीणा शर्मा	1 kg चाय पत्ती, 3 Pkt बिस्कुट, एक कम्बल, दो स्वेटर
262 श्रीमती सुमन खारी	5 लेडिज सूट
263 दुलीचन्द	7 kg चावल
264 विजेन्द्र सिंह	50 kg चावल, 48 साबुन, 10 kg दाल

– क्रमशः

इस मद में दान देने वाले दानी महानुभावों के नाम इसी प्रकार आर्य सन्देश के आगामी अंकों में भी प्रकाशित किये जाएंगे। – *महामन्त्री*

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2012 दिल्ली के अवसर पर घोषित

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-डरबन (दक्षिण अफ्रीका)

(विश्व वेद सम्मेलन) 28, 29, 30 नवम्बर एवं 1 दिसम्बर, 2013

सम्मानीय आर्य बन्धुओं! सादर नमस्ते!

आपको यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि **सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली** एवं **आर्य प्रतिनिधि सभा दक्षिण अफ्रीका** के तत्त्वावधान में इस वर्ष **अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 28, 29, 30 नवम्बर एवं 1 दिसम्बर, 2013 को द. अफ्रीका की राजधानी डरबन में** सम्पन्न होने जा रहा है। इस सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए अनेक देशों के प्रतिनिधि डरबन पहुंच रहे हैं। भारतवर्ष से भी इस सम्मेलन में भाग लेने हेतु बड़ी संख्या में आर्यजन पहुंचेंगे।

सभी इच्छुक आर्यजन जो इस सम्मेलन में भाग लेने जाना चाहते हैं वे सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के माध्यम से भाग ले सकेंगे। **सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के द्वारा स्वीकृत सदस्यों को ही द. अफ्रीका आर्य प्रतिनिधि सभा अपने यहां प्रतिनिधि के रूप में स्वीकार कर उनकी व्यवस्था करेगी।** अनेकों आर्यजन डरबन सम्मेलन के इस अवसर पर दक्षिण अफ्रीका महाद्वीप का भ्रमण भी करना चाहते हैं, इस कारण उनकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए डरबन के अतिरिक्त द. अफ्रीका के अन्य रमणीय एवं महत्त्वपूर्ण शहरों की यात्रा का भी कार्यक्रम बनाया गया है जिसकी जानकारी निम्न प्रकार है–

भव्य दक्षिण अफ्रीका यात्रा नं. 1 (15 रत्रि 16 दिन)

19 नवम्बर से 3 दिसम्बर, 2013

प्रस्थान : दिनांक 19 नवम्बर की मध्यरात्रि को मुम्बई/दिल्ली से जोहान्सबर्ग, द. अफ्रीका हेतु प्रस्थान (मुम्बई से 20 नवम्बर को 02:05 बजे तथा दिल्ली से 20 नवम्बर को 0:45 बजे) **वापसी :** दिनांक 3 दिसम्बर को डरबन से भारत

1) मुम्बई वाले यात्री डरबन से सुबह 8.40 बजे प्रस्थान करेंगे तथा जोहान्सबर्ग होते हुए 3 दिसम्बर को ही रात्रि 12 बजे मुम्बई पहुंचेंगे। (यात्रा कुल समय 12 घंटे)

2) दिल्ली वाले यात्री डरबन से 3 दिसम्बर को 16:10 बजे रवाना होंगे तथा जोहान्सबर्ग और नैरोबी होते हुए 5 दिसम्बर को 19:30 बजे दिल्ली पहुंचेंगे। (यात्रा कुल समय 48 घंटे) दिल्ली वापस आते समय प्रतिदिन हवाई सेवा उपलब्ध न होने के कारण 1 दिन जोहान्सबर्ग में रुकना होगा। कार्यक्रम इस प्रकार है–

20-21 नवम्बर, 2013	सनसिटी (2 रात्रि)
22 नवम्बर, 2013	जोहान्सबर्ग (1 रात्रि)
23-25 नवम्बर, 2013	केपटाउन (3 रात्रि)
26-27 नवम्बर, 2013	नाइसना (2 रात्रि)
28-30 नवम्बर 1 दिसम्बर	डबरन सम्मेलन (4 दिन 4 रात्रि)
2 दिसम्बर, 2013	डरबन भ्रमण (1 रात्रि)

उक्त यात्रा में सनसिटी, जोहान्सबर्ग, केपटाउन, नाइसना तथा डरबन के सभी महत्त्वपूर्ण दर्शनीय स्थलों को दिखाया जाएगा। इस यात्रा की **कुल राशि प्रति व्यक्ति 1,85,000/- रुपये (मुम्बई से)** तथा **1,90,000/- रुपये (दिल्ली से)** निश्चित की गई है जिसमें हवाई जहाज की अन्तर्राष्ट्रीय तथा डोमेस्टिक टिकटें, वीजा, बीमा (75 वर्ष तक), सभी स्थानों पर आने-जाने की वाहन व्यवस्था, नाश्ता, दोनों समय का भोजन, होटल व्यय, सभी स्थानों के प्रवेश टिकट, मिनरल वाटर आदि के सभी खर्चे शामिल हैं। केवल बस ड्राइवर को दी जाने वाली टिप इसमें सम्मिलित नहीं है।

भव्य दक्षिण अफ्रीका यात्रा नं. 2 (7 रत्रि 8 दिन)

27 नवम्बर से 3 दिसम्बर, 2013

प्रस्थान : दिनांक 27 नवम्बर की मध्यरात्रि को मुम्बई/दिल्ली से जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका हेतु प्रस्थान (मुम्बई से 28 नवम्बर को 02:05 बजे तथा दिल्ली से 28 नवम्बर को 0:45 बजे)

वापसी : दिनांक 3 दिसम्बर को डरबन से भारत

1) मुम्बई वाले यात्री डरबन से सुबह 8.40 बजे प्रस्थान करेंगे तथा जोहान्सबर्ग होते हुए 3 दिसम्बर को ही रात्रि 12 बजे मुम्बई पहुंचेंगे। (यात्रा का कुल समय 12 घंटे)

2) दिल्ली वाले यात्री डरबन से 3 दिसम्बर को 16:10 बजे रवाना होंगे तथा जोहान्सबर्ग और नैरोबी होते हुए 5 दिसम्बर को 19:30 बजे दिल्ली पहुंचेंगे। (यात्रा कुल समय 48 घंटे)। दिल्ली वापस आते समय प्रतिदिन हवाई सेवा उपलब्ध न होने के कारण 1 दिन जोहान्सबर्ग में रुकना होगा। कार्यक्रम इस प्रकार है–

नोट – मुम्बई से यह यात्रा 7 रात्रि 8 दिन की होगी जबकि दिल्ली से यह यात्रा 8 रात्रि 9 दिन की होगी। वापसी में दिल्ली के लिए प्रतिदिन हवाई सेवा उपलब्ध न होने के कारण 1 दिन जोहान्सबर्ग में अतिरिक्त रुकना होगा।

केवल अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में भाग लेने वाले सभी आर्य बन्धुओं को डरबन में 1.5 दिन भ्रमण भी कराया जाएगा। इस यात्रा की **कुल व्यय राशि मुम्बई से 90,000/- रुपये** तथा **दिल्ली से 95,000/- रुपये प्रति व्यक्ति होगी।**

इस राशि में हवाई जहाज की टिकट, वीजा, बीमा (75 वर्ष तक), 5 दिन का डरबन प्रवास (भोजन, होटल तथा भ्रमण सहित) प्रत्येक दिन होटल से सम्मेलन तक जाने व आने की ट्रांसपोर्ट व्यवस्था तथा इस सम्बन्ध में होने वाले अन्य सभी खर्चे शामिल हैं। केवल बस ड्राइवर को दी जाने वाली टिप इसमें सम्मिलित नहीं है।

डरबन के इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में भाग लेने के लिए अनेकों आर्यजन इच्छुक हैं किन्तु द. अफ्रीका सभा के द्वारा वहां सीमित व्यक्तियों की व्यवस्था करना ही सम्भव होना बताया गया है। इसलिए सभा के द्वारा सभी महानुभावों को सम्मेलन में ले जाने की व्यवस्था सम्भव नहीं हो सकेगी। **यात्रा नं. 1 में अधिकतम 100 यात्री** तथा **यात्रा नं. 2 में अधिकतम 50 यात्री** ही ले जाना सम्भव हो पाएगा। **अत: प्रथम प्राप्त आवेदन-पत्रों को ही प्रथमिकता देना सम्भव हो सकेगा।** इसलिए निवेदन है कि सम्मेलन में जाने के इच्छुक महानुभाव शीघ्र ही एडवांस राशि का बैंक ड्राफ्ट **KUONI TRAVELS (INDIA) PVT. LTD. (Payble at Mumbai)** के नाम बनवाकर संलग्न आवेदन पत्र के साथ निम्न पते पर स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक से भेजें। आवेदन पत्र स्थानीय आर्यसमाज के प्रमाणीकरण के साथ भेजना आवश्यक है।

श्री अग्रवाल सुरेशचन्द्र आर्य जी, संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2013,
12 रॉयल क्रीसैंट, थलतेज, अहमदाबाद - 380059, मो. 9824072509, निवास : 079-26858338

सम्मेलन में भाग लेने के इच्छुक आर्यजन निम्न विवरण अनुसार यात्रा व्यय का भुगतान करें

यात्रा नं. 1 के लिए

सभी यात्रियों को	50000/-	एडवांस पेमेंट	31 अगस्त, 2013 तक
मुम्बई से जाने वाले	135000/-	शेष भुगतान	20 अक्तूबर 2013 तक
दिल्ली से जाने वाले	140000/-	शेष भुगतान	20 अक्तूबर 2013 तक

यात्रा नं. 2 के लिए

सभी यात्रियों को	25000/-	एडवांस पेमेंट	31 अगस्त, 2013 तक
मुम्बई से जाने वाले	65000/-	शेष भुगतान	20 अक्तूबर 2013 तक
दिल्ली से जाने वाले	70000/-	शेष भुगतान	20 अक्तूबर, 2013 तक

सभी बैंक ड्राफ्ट **KUONI TRAVELS (INDIA) PVT. LTD. (Payble at Mumbai)** के नाम बनवाकर यात्रा-संयोजक के उपरोक्त पते पर भेजे जाएं।

ए) सभी यात्रियों को एडवांस राशि के साथ पासपोर्ट के प्रथम दो पृष्ठ तथा अन्तिम दो पृष्ठों की फोटोकॉपी अवश्य भेजनी है। आवेदन पत्र पर सम्बन्धित आर्यसमाज के पदाधिकारियों की अनुमति/स्वीकृति आवश्यक है। एडवांस राशि प्राप्त होने के बाद KUONI TRAVELS (INDIA) PVT.LTD. द्वारा आपको वीजा सम्बन्धी सभी सूचनाएं भेज दी जाएंगी।

– शेष पृष्ठ 6 पर

पृष्ठ 5 का शेष

ब) सार्वदेशिक सभा द्वारा इस यात्रा हेतु 3 सदस्यों की एक समिति गठित की गई है जिसके संयोजक श्री अग्रवाल सुरेशचन्द्र आर्य, उप प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा हैं। अन्य सदस्य श्री प्रकाश आर्य, मन्त्री, सार्वदेशिक सभा तथा श्री विनय आर्य – महामन्त्री, दिल्ली सभा हैं।

स) यह यात्रा विश्व विख्यात ट्रैवल एजेन्सी **SOTC** द्वारा आयोजित की गई है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपकी यह यात्रा अत्यन्त सुखद, आरामदायक एवं रोमांचक रहेगी।

विशेष – 1) उपरोक्त दर्शायी गई **यात्रा व्यय का सम्पूर्ण भुगतान 20 अक्तूबर तक करना आवश्यक होगा।**

2) किन्हीं कारणों से वीजा नहीं बना तो **वीजा फीस व 1000/– रुपये व्यय काटकर** शेष राशि लौटा दी जाएगी क्योंकि वीजा शुल्क वापस प्राप्त नहीं होता। **वीजा और टिकट निश्चित हो जाने के बाद यदि कोई व्यक्ति नहीं जाना चाहेगा तो फिर जमा की गई राशि किसी भी हालत में लौटाई नहीं जाएगी।**

3) ध्यान रहे कि इस यात्रा के लिए आपके पासपोर्ट की वैधता (Validity) 31 मई, 2014 तक होना आवश्यक है।

कृपया उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर ही आवेदन पत्र व राशि भेजें ताकि बाद में अकारण कोई विवाद न हो। यात्रा सम्बन्धी अन्य जानकारी हेतु आप मुझसे तथा निम्न महानुभावों से सम्पर्क कर सकते हैं–

श्री अग्रवाल सुरेशचन्द्र आर्य – 9824072509
श्री विनय आर्य – 9958174441

एक अद्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन–2013 तथा अविस्मरणीय दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की आशा और विश्वास के साथ – आपका,

प्रकाश आर्य, मन्त्री, सार्वदेशिक सभा (9826655117)

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दक्षिण अफ्रीका हेतु आवेदन पत्र

(कृपया अपनी स्थानीय आर्यसमाज से सत्यापित कराकर भेजें)

सेवा में,

श्री अग्रवाल सुरेशचन्द्र आर्य जी
संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन–2013
12 रॉयल क्रीसैंट, थलतेज, अहमबाद – 380059
मो. 9824072509, निवास 079–26858338

महोदय,

मैं अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन द. अफ्रीका में भाग लेने जाना चाहता/चाहती हूं। इस सम्बन्ध में आपके द्वारा प्रेषित जानकारी को मैंने अच्छी तरह पढ़ लिया है तथा उसमें दी गई सभी बातें मुझे स्वीकार हैं। मेरी अन्य जानकारी निम्न प्रकार है–

पूरा नाम :................................पिता/पति का नाम :..........................
आयु : .... जन्मतिथि : .... व्यवसाय : ....
स्थाई पता :..
....
दूरभाष/मोबाईल :..................................ईमेल पता :.........................
मैं आर्यसमाज .... का/की सदस्य हूं।
मेरा पासपोर्ट ....तक के लिए वैध है।
मेरा पासपोर्ट नं. :...है।

मैं सम्मेलन के अतिरिक्त द. अफ्रीका का भी भ्रमण करना चाहता/चाहती हूं। अत: मैंने भव्य द. अफ्रीका यात्रा नं. 1 का चयन किय है। **अथवा**

मैं डरबन जाकर सम्मेलन में भाग लेकर लौटना चाहता/चाहती हूं। अत: मैंने भव्य डरबन सम्मलन यात्रा नं. 2 का चयन किया है।

(जिस यात्रा में जाना चाहें उस पर सही (✓) का निशान लगा दें)

यात्रा नं. 1 के लिए मैं अग्रिम धनराशि के रूप में 50000/–रुपये/**यात्रा नं. 2 के लिए** 25000/– रुपये का बैंक ड्राफ्ठ साथ भेज रहा/रही हूं। कृपया मुझे शीघ्र ही वीजा फार्म तथा अन्य जानकारी भेज दें।

मैं 20 अक्तूबर 2013 से पूर्व यात्रा व्यय की शेष राशि अवश्य भिजवा दूंगा/दूंगी।

मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी पूर्ण रूप से सत्य है।

दिनांक : .... भवदीय/भवदीया

(आवेदक के हस्ताक्षर)

उपरोक्त समस्त जानकारी/आवेदन पत्र हमारी वैबसाइट www.thearyasamaj.org से डाउनलॉड भी किए जा सकते हैं।

पृष्ठ 4 का शेष

निष्ठा के साथ करूंगा। गुरुकुल कांगड़ी की छवि को सुधारने का पूरा प्रयास करूंगा। आर्ष पद्धति को आगे बढ़ाऊंगा। मेरा पूरा प्रयत्न होगा कि मैं आप सब की अपेक्षाओं पर पूरा उतरूं क्योंकि मैं आज जो कुछ भी हूं वह सब महर्षि दयानन्द की शिक्षाओं और आर्यसमाज की कृपाओं का फल है।

हरियाणा सरकार की शिक्षा एवं समाज कल्याण मन्त्री श्रीमती गीता भुक्कल ने कहा कि आर्यसमाज ने शिक्षा का कभी व्यावसायीकरण नहीं किया। आर्यसमाज ने शिक्षा को सदैव नैतिक मूल्यों से जोड़ा। आर्यसामाज का पूरा विश्व उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए ऋणी रहेगा। आर्यसमाज ने शिक्षा के क्षेत्र में विशेषकर स्त्री शिक्षा पर जो अमूल्य योगदान दिया है, उसी का परिणाम है कि आज भारत की नारी कितने ऊंचे–ऊंचे पदों पर हैं। मेरे जैसी साधारण नारी शिक्षा मन्त्री है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डॉ. सुरेन्द कुमार जी के नेतृत्व में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय अपनी पुरानी कीर्ति को पुन: प्राप्त करेगा।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान आचार्य बलदेव जी ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए डॉ. सुरेन्द्र जी को प्रेरणा दी की आपका कुलपति पद आपके कार्यों से जाना जाएगा। आप अपनी पूरी निष्ठाओं और क्षमताओं का पूर्ण उपयोग कर इस गुरुकुलीय पद्धति को और अधिक बल प्रदान करेंगे।

आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान आचार्य विजयपाल जी ने कहा कि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की इतनी अधिक उपलब्धियां रही हैं जो गिनाई नहीं जा सकती। मैं जानता हूं कि डॉ. सुरेन्द्र एक सक्षम और निष्ठावान आर्य हैं वह गुरुकुल कांगड़ी को और अधिक उन्नत करेंगे।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के वरिष्ठ उप प्रधान श्री धर्मपाल आर्य ने कहा कि हमें इस पद के प्राप्त हो जाने के पश्चात् गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। हमें लगातार इसके संचालन में विशेष सहयोग की आवश्यकता है। मुझे विश्वास है कि डॉ. सुरेद्र कुमार जैसा समर्पित व्यक्तित्व इन कार्यों को अवश्य पूरा करेगा।

गुरुकुल कांगड़ी के मुख्याधिष्ठाता आचार्य यशपाल ने कहा कि अब गुरुकुल से बीमारी समाप्त हो गई है। अब इसे और स्वस्थ बनाना है। मुझे विश्वास है कि डॉ. सुरेन्द्र कुमार एक कुशल वैद्य हैं, वह इसे पूर्णरुपेण स्वस्थ कर इसे और अधिक बल प्रदान करेंगे।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी ने अपनी पूरी सम्पत्ति गुरुकुल के निर्माणरूपी यज्ञ में आहुत कर दी थी। आज वह एक विशाल वृक्ष के रूप में डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी के नेतृत्व में अच्छे फल प्रदान करेगा, मुझे ऐसा विश्वास है।

हरियाणा सभा के वरिष्ठ उप प्रधान एवं आर्य केन्द्रीय सभा गुड़गांव के प्रधान श्री कन्हैयालाल आर्य ने डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी के सम्मान में सम्मान पत्र पढ़ा और विश्वास व्यक्त किया कि वे महर्षि दयानन्द जी के परम शिष्य स्वामी श्रद्धानन्द जी के सपनों को साकार करेंगे।

डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी के सहयोगी डॉ. अशोक दिवाकर ने अध्यक्ष पद से बोलते हुए कहा कि डॉ. कुमार के साथ मैंने दो वर्ष तक कार्य किया है। ये एक ईमानदार और सजग व्यक्तित्व हैं। इनके नेतृत्व में गुरुकुल कांगड़ी और अधिक उन्नत होगा।

अभिनन्दन समारोह का प्रारम्भ प्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री नरेन्द्र वशिष्ठ के सुमधुर भजनों, दीप प्रज्ज्वलन एवं छात्राओं के स्वागत गीत से हुआ। मंच संचालन श्री अशोक शर्मा ने किया।

समारोह में शिक्षाविद डॉ. धर्मपाल मैनी, पी.एन. मोंगिया, डॉ. इन्द्रजीत यादव, शशि सचदेवा, शिक्षाधिकारी सुश्री मनोज कौशिक के साथ–साथ आर्य केन्द्रीय सभा गुड़गांव के समस्त पदाधिकारी, गुड़गांव एवं मेवात क्षेत्र की आर्यसमाजों तथा दिल्ली की विभिन्न आर्यसमाजों के अधिकारियों ने पहुंचकर अपनी शुभकामनाएं दी और समारोह की शोभा को बढ़ाया।

आर्य समाज ने निर्धन छात्र– छात्राओं को स्कूल बैग बांटे

सत्य की राह पर चलकर जीवन को सफल बनाएं, सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। दूसरों की अच्छाइयों को देखो एवं अपनी बुराइयों को त्यागो। महर्षि दयानन्द ने सत्य के मार्ग पर चलकर ही समाज सेवा एवं राष्ट्रसेवा की। यह विचार आर्य समाज जिला के प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा ने व्यक्त किए। वे राजकीय माध्यमिक विद्यालय प्रेम नगर तृतीय में आयोजित स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र– छात्राओं के लिए आर्य समाज द्वारा स्कूल बैग, पैन, पेंसिल बांटे गए तथा स्कूल की लाइब्रेरी के लिए महर्षि दयानन्द कृत अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश तथा वैदिक साहित्य प्राचार्य को भेंट किया गया। ***– अरविंद पाण्डेय, जिला प्रचार सचिव (94604 94654)***

'शत हस्त समाहर सहस्त्र हस्त सं किर'
अर्थात् – सौ हाथों से कमाओ हजार हाथों से दान करो

उत्तराखण्ड बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ तन–मन–धन से सहयोग करें आर्यजन

दानी सज्जन अपनी दान राशि निम्न बैंक खातों में जमा कराएं

'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' – खाता सं. 09481000000276
पंजाब एंड सिंध बैंक, IFSC - PSIB 0020948 MICR - 110023121

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' – खाता सं. 1098101000777
केनरा बैंक, IFSC - CNRB 0001098 MICR - 110015025

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' खाता सं. 910010008984897
एक्सिज बैक, IFSC - UTIB0000223 MICR - 110211025

'आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड' – खाता सं. 0649201001 2620
ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स, देहरादून, IFSC - ORBC 0100 649

विशेष : जो सज्जन/संस्थाएं अपनी दान राशि पर आयकर छूट चाहते हैं वे अपनी राशि दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम सभा के उपरोक्त बैंक खाते में जमा कराएं। कृपया अपनी दान राशि जमा करने के बाद तत्काल **मो. 9540040339 पर श्री विजय आर्य को सूचित** करके **aryasabha@yahoo.com** तथा **dapsvijayarya@gmail.com** पर डिपोजिट स्लिप ईमेल करें ताकि उन्हें रसीद भेजी जा सके।

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड के खाते में राशि जमा कराने वाले सज्जन कृपया अपनी दान राशि जमा करने के बाद तत्काल **मो. 9760195053 पर श्री पृथ्वीराज आर्य** को सूचित करें ताकि रसीद जारी की जा सके।

– विनय आर्य, महामन्त्री

गुरुकुल कांगड़ी से सम्बन्धित दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की समस्त समितियों की अवश्यक बैठक

19 अगस्त, 2013 सायं 5:00 बजे

समितियों से सम्बन्धित समस्त अधिकारी एवं सदस्यगण समय पर पधारकर सहयोग प्रदान करें। – विनय आर्य, महामन्त्री, 9958174441

आर्य गुरुकुल तिहाड द्वारा कार्यक्रम

आर्यसमाज बी बलक जनकपुरी नई दिल्ली में साप्ताहिक सत्संग के अवसर पर आर्य गुरुकुल तिहााड के ब्रह्मचारियों द्वारा यज्ञ, भजन, प्रवचन एवं योगासन का भव्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समस्त ब्रह्मचारियों ने आसनों के द्वारा स्तूप बनाकर कार्यक्रम को विराम दिया। तिहाड गुरुकुल के सहयोगी श्री चेतन आर्य ने ईशभक्ति के सुमधुर भजन प्रस्तुत किए। संचालक श्री नीरज आर्य ने गुरुकुल की दिनचर्या एवं व्यवस्थाओं पर प्रकाश डालते हुए सहयोग की अपील की। आर्यसमाज के प्रधान श्री कृष्ण बवेजा ने धन्यवाद करते हुए वैदिक पद्धति की वर्तमान समय में आवश्यकता पर बल दिया।

– योगेश्वरचन्द्रआर्य, प्रचार मंत्री

निर्वाचन समाचार

आर्यसमाज हरी नगर घंटाघर नई दिल्ली–110064

प्रधान : श्रीमती राजेश्वरी आर्या
मन्त्री : श्री श्रीपाल आर्य
कोषाध्यक्ष : श्री सुभाष चन्द्र मल्होत्रा

आर्यसमाज महर्षि दयानन्द बाजार (दाल बाजार) लुधियाना

प्रधान : श्री आत्मप्रकाश आर्य
मन्त्री : श्री महेन्द्र पाल विग
कोषाध्यक्ष : श्री अरुण कुमार सूद

आर्यसमाज कीर्ति नगर नई दिल्ली–110015

प्रधान : श्री ओम प्रकाश आर्य
मन्त्री : श्री सतीश चड्ढा
कोषाध्यक्ष : श्री सुरेश तेजी

आर्यसमाज आदर्श नगर टोंक (राजस्थान)

प्रधान : श्री कुंज बिहारी पालडिया
मन्त्री : श्री सुभाष साहनी
कोषाध्यक्ष : श्री योगेश गुप्ता

आर्यसमाज दयानन्द विहार दिल्ली–110092

प्रधान : श्री शिवदयाल आर्य
मन्त्री : श्री ईश नारंग
कोषाध्यक्ष : श्रीमती आशा महता

स्त्री आर्यसमाज आदर्श नगर टोंक (राजस्थान)

प्रधान : सुश्री अरुणा गौड
मन्त्री : श्रीमती दमयन्ती गुप्ता
कोषाध्यक्ष : श्रीमती चन्द्रप्रभा साहनी

प्रथम पृष्ठ का शेष

श्रावणी पर्व उत्साहपूर्वक......

की व्यापारिक गतिविधियों को सात्विक उन्नति प्राप्त होगी। इसी प्रकार शूद्र वर्ग भी स्वाध्याय के सहारे केवल अपना ही नहीं अपितु अपने आस–पास के समाज को भी सद्व्यवहार के द्वारा सुगन्धित कर सकता है।

इस वर्ष **रक्षा बन्धन (मंगलवार) 20 अगस्त, 2013** को तथा **श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (बुधवार) 28 अगस्त, 2013** को है। दोनों पर्वों के बीच का सप्ताह आर्यसमाजों द्वारा वेद प्रचार समारोह के रूप में मनाया जाता है।

वेद प्रचार समारोह को केवल पारम्परिक रूप में औपचारिकता पूर्ति हेतु मनाने से कोई विशेष लाभ नहीं होता। यदि वेद प्रचार समारोह को उत्साहपूर्वक अधिकाधिक लोगों को सम्मिलित करके मनाया जाए तो ज्ञान गंगा घर–घर में पहुंचाई जा सकती है।

महर्षि दयानन्द द्वारा निर्धारित प्रमुख लक्ष्य 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' अर्थात् विश्व को श्रेष्ठ बनाना ही वेद प्रचार समारोह का भी प्रयोजन होना चाहिए।

वेद प्रचार समारोह को सफल बनाने के लिए अपनी सुविधानुसार निम्न उपायों में से अधिकाधिक उपाय किए जा सकते हैं–

1. बृहद यज्ञों का आयोजन (यदि सम्भव हो तो पार्कों अथवा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर) करें जिसमें आर्य सदस्यों आदि के अतिरिक्त, जन सामान्य को भी प्रेमपूर्वक आमन्त्रित किया जाए। सम्भव हो तो यज्ञोपरान्त ऋषि लंगर, जलपान, प्रसाद आदि का वितरण भी अधिक से अधिक लोगों में करें।

2. यज्ञ के दौरान तथा बाद में आर्य उपदेशकों तथा स्वाध्यायशील आर्य महानुभावों के प्रवचन अवश्य आयोजित करें जिससे जन–सामान्य को वैदिक आध्यात्मिक तथा आर्य (श्रेष्ठ) विचारों से सन्मार्ग के लिए प्रेरित किया जा सके।

3. अपने क्षेत्र के अलग–अलग वर्गों जैसे युवाओं महिलाओं, वृद्धों, बच्चों आदि के लिए अलग–अलग विचार–विमर्श या मार्गदर्शन कार्यक्रम, गोष्ठियां या लघु सम्मेलन अथवा कार्यशालाएं आयोजित करें। ***'सुखी परिवार कैसे रहें?'*** विषय पर यदि गोष्ठियां आयोजित की जाएं तो अवश्य ही एक लोकप्रिय कार्यक्रम साबित होगा।

4. वेद तथा सत्यार्थ प्रकाश की विशेष कथाओं का भी आयोजन करें जिससे इन ग्रन्थों के विचारों का लाभ लोगों के धार्मिक, सामाजिक, पारिवारिक, राष्ट्रीय तथा राजनीतिक उत्थान के लिए मिल सकें।

5. क्षेत्रीय जनता जैसे उच्च पुलिस अधिकारी, सैन्य बलों के अधिकारी, विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ जैसे डॉक्टर, वकील, इन्जीनियर इत्यादि तथा विशेष रूप से छात्र वर्ग को आर्यसमाज तथा स्वामी दयानन्द के विचारों से परिचित कराने हेतु अल्पमूल्य का लघु साहित्य वितरित करें। **इस हेतु सभा से 'एक निमन्त्रण', आर्यसमाज के स्वर्णिम सूत्र' एवं 'लघु (बाल) सत्यार्थ प्रकाश' उपलब्ध है। आप इन्हें क्रय करके वितरित कर सकते हैं।**

6. आर्यसमाज के समस्त सदस्यों की एक विशेष बैठक आयोजित करके 'आत्मावलोकन' अवश्य करें कि क्या हमारे आर्यसमाज की गतिविधियां सन्तोषजनक हैं? क्या उससे और अधिक कुछ सुधार किया जा सकता है? यदि नहीं, तो उसके कारण और समाधानों पर चर्चा करें।

7. उपरोक्त के अतिरिक्त कोई अन्य प्रकार का आयोजन आपके मस्तिष्क में उठे तो उसे हमें भी लिखकर भेजें जिससे अन्य आर्य समाजों के सदस्यों को भी उससे अवगत कराया जा सके।

8. आपसे अनुरोध है कि आप अपनी सुविधानुसार अभी से अपने वेद प्रचार समारोह की तिथियां निश्चित करलें और संगीतकारों, भजनोपदेशकों तथा वैदिक साहित्य का अधिकाधिक वितरण करें।

9. आर्यसमाज के अधिकारियों से यह भी प्रार्थना की जाती है कि आगामी **मंगलवार 20 अगस्त (रक्षाबन्धन)** को **हैदराबाद सत्याग्रह बलिदान विजय दिवस** के रूप में धूमधाम से मनाएं। श्रावणी उपाकर्म, एवं सामूहिक यज्ञोपवीत परिवर्तन का विशेष रूप से आयोजन करें।

अपने आयोजनों की विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशनार्थ **'आर्य सन्देश'** में अवश्य भेजें। ***– ब्र0 राजसिंह आर्य, प्रधान***

नि:शुल्क एलोपैथिक औषधालय की स्थापना

आर्यसमाज दयानन्द विहार, दिल्ली ने मातृकृपा धमार्थ न्यास वसन्त कुंज के सहयोग से गरीबों के लिए एक नि:शुल्क एलोपैथिक औषधालय की स्थापना की है। इसका उद्घाटन 16 जुलाई को न्यास के संस्थापक न्यासी श्री मुरारी लाल गुप्ता के कर–कमलों से हुआ। औषधालय दो दिन मंगलवार एवं शुक्रवार को सांय दो घंटे के लिए खुला करेगा। अनुभवी एम.बी.बी.एस. डॉ. पी. के. सिंघानिया बड़ी कुशलता से रोगियों का उपचार कर रहे हैं। दिन प्रतिदिन औषधालय की प्रसिद्धि बढ़ती जा रही है। आस–पास की गरीब बस्तियों के लोग इसका पूरा–पूरा लाभ उठा रहे हैं।

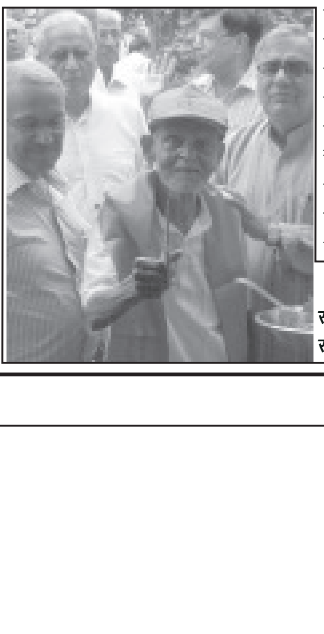

उद्घाटन करते श्री मुरारीलाल गुप्ता जी, साथ में हैं आर्यसमाज के मन्त्री श्री ईश नारंग, सार्वदेशिक सभा के पूर्व मन्त्री श्री वेदव्रत शर्मा।

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 29 जुलाई, 2013 से रविवार 4 अगस्त, 2013

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2012–13–14

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 01/ 02 अगस्त, 2013

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं0 यू0(सी0) 139/2012–14

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 31 जुलाई, 2013

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली की

विचार गोष्ठी एवं अन्तरंग सभा बैठक

24–25 अगस्त, 2013 प्रात: 11 बजे : गुरुकुल कांगड़ी (हरिद्वार)

प्रतिष्ठा में,
श्री..............

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की अन्तरंग सभा बैठक **शनिवार–रविवार 24–25 अगस्त, 2013 को गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार में** आयोजित की गई है। **शनिवार 24 अगस्त को प्रात: 11 बजे से विभिन्न सत्रों में विचार गोष्ठियों का आयोजन** तथा **रविवार दिनांक 25 अगस्त को प्रात: 11 बजे अन्तरंग सभा की बैठक** होगी। बैठक में प्रान्तीय सभाओं के माननीय प्रधान एवं मन्त्री महेदय को भी विशेष रूप से आमन्त्रित किया गया है। सभी को ऐजेण्डा पत्रक विधिवत् डाक से भेजा गया है।

पधारने वाले महानुभाव कृपया ध्यान दें – अपना टिकट सीधे हरिद्वार तक आरक्षित करावें। यदि सीधे टिकट न हो सके तो 23 अगस्त की रात्रि तक दिल्ली पहुंच जाएं।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से देहरादून जनशताब्दी 23 अगस्त को दोपहर 3.25 बजे चलकर सायं 7.25 बजे हरिद्वार पहुंचेगी।

पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से मंसूरी एक्सप्रैस 23 अगस्त की रात्रि 9.30 बजे चलकर 24 अगस्त की प्रात: 5.30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से देहरादून स्पेशल 23 अगस्त की रात्रि 11.55 बजे चलकर 24 अगस्त की प्रात: 4.00 बजे हरिद्वार पहुंचेगी।

हरिद्वार स्टेशन से गुरुकुल तक लाने की व्यवस्था की गई है। कृपया अपने आगमन की पूर्व सूचना **श्री विजय आर्य जी** को **9540040339** पर अवश्य देवें।

– प्रकाश आर्य,
मन्त्री, सार्वदेशिक सभा (09826655117)

दिल्ली सभा द्वारा प्रकाशित श्रावणी पर्व पर वितरणार्थ लघु साहित्य

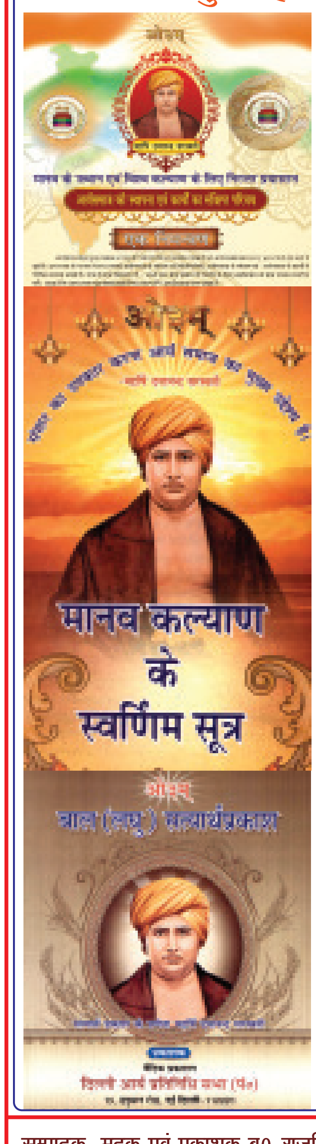

सम्पादक, मुद्रक एवं प्रकाशक ब्र0 राजसिंह आर्य ने दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए सार्वदेशिक प्रेस, 1488 पटौदी हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली–2 से छपवाकर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान रोड, नई दिल्ली–1; टेलीफैक्स : 23360150; 23365959; IVRS : 011-23488888 E-mail : aryasabha@yahoo.com से प्रकाशित किया।

सम्पादक : ब्र0 राजसिंह आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ0 ओमप्रकाश भटनागर